देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

व्लादिमीर पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बने 12

जनपद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का जिला... 10

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्ष: 15 | अंक: 204
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12
बुधवार | 08 मई, 2024

मिट्टी की जांच के लिए मई का महीना होता है सर्वोत्तम

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश क्रम में मंगलवार को कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने किसानों को बताया कि मिट्टी की जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। इसीलिए सभी किसानो को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए। उन्होंने बताया कि खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। जिसके लिए ङ्क वी आकार का गड्ढा खोदकर पांचों जगहों से नमूना एकत्र कर सभी को मिलाकर समग्र कंपोजिट नमूना बना लिया जाता है। जिसके प्रयोगशाला भेज कर मृदा परीक्षण कराया जाता है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षण के बाद किसानों को उर्वरक संस्तुति पत्र मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं। डॉ. खान ने बताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना है कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। उन्होंने किसानो को बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
(हिन्दी दैनिक प्रातःकालीन) कानपुर, बुधवार 08 मई 2024 (R.N.I.No. UPHIN/2010/47220)

मिट्टी जांच एवं मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम :डॉ खलील खान मृदा वैज्ञानिक

कानपुर, 07 मई (यू0एन0टी0)। ***अनवर अशरफ*** चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए। डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को V(वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं। तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र (मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो

जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं। मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है। डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

अमर भारती
एक उम्मीद
06 संस्करण
2, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com बुधवार, 08 मई 2024 शक सम्वत् 1945

मिट्टी जांच व उसके नमूने के लिए मई का महीना सर्वोत्तमः डॉ. खलील खान

कानपुर (अमर भारती ब्यूरो)। सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को ङ्ग(वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र कंपोजिट नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

सहारा

कानपुर • बुधवार • 8 मई • 2024

'खेत की मिट्टी जांचने के लिये यह माह सर्वोत्तम'

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। प्रत्येक किसान को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए। उन्होंने मृदा नमूना लेने की विधि के वारे में विस्तृत जानकारी देते हुए वताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसानों को पांच जगह गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के वाद सभी को मिलाकर समग्र नमूना वना लेते हैं। अव इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे वोई जाने वाली फसल के वारे में जानकारी लेख देते हैं। तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसानों को उर्वरक संस्तुति पत्र (मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है, जिसके आधार पर किसान अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं। उन्होंने वताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश्य मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना है के मिट्टी में कौन से पोपक तत्वों की कमी है। मिट्टी की जांच से स्पप्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेप खेत में कौन सी फसल उगाई जानी वाहिए। सभी फसलों के उचित वढ़वार उत्पादन के लिए पीएच मान 6.50 से 7.50 सवसे उपयुक्त होता है।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

-129 लखनऊ व एटा से प्रकाशित बुधवार, 08 मई 2024 R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

मिट्टी जांच एवं मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम-डॉ खलील खान मृदा वैज्ञानिक

अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को ङ्क(वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी

लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र(मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्राय: मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है

खेतों की मिट्टी जांच कर फसलों का चयन करना आवश्यक

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 7 मई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए। डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को (वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र (मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है। डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं

मिट्टी जांच का नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम

WORLD खबर एक्सप्रेस
www.worldkhabarexpress.media
अपना शहर
कानपुरः मंगलवार
07 मई, 2024
05
Daily Evening E-Paper

मिट्टी जांच एवं मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तमः डॉ खलील खान मृदा वैज्ञानिक

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

कानपुरः चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है।

सर्वप्रथम किसान भाइयों को डब्लू(वी) आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र कंपोजिट नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

दैनिक नगर छाया
आप की आवाज.....
WWW.nagarchhaya.com
लखनऊ/कानपुर छाया
कानपुर
08 मई, 2024

मिट्टी जांच एवं मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तमः डॉ. खलील खान

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को वी आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है। डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती है

मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

24,99,86,000 इक्विटी शेयर थे।

मिट्टी जांच एवं मिट्टी नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम..डॉ खलील खान मृदा वैज्ञानिक

दि ग्राम टुडे, कानपुर। (संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में आज कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को वी आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र (कंपोजिट) नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नाम, पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र(मृदा स्वास्थ्य कार्ड) प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।

मिट्टी का नमूना लेने के लिए मई का महीना सर्वोत्तम- डॉ खलील

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसान भाइयों को सलाह दी है कि मृदा जांच के लिए मई का महीना सर्वोत्तम होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान भाई को अपने खेतों से मिट्टी का नमूना लेकर परीक्षण अवश्य कराना चाहिए।डॉ खान ने मृदा नमूना लेने की विधि के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी खेत में 5 जगहों से 15 सेंटीमीटर गहराई से मिट्टी का नमूना लिया जाता है। सर्वप्रथम किसान भाइयों को ट;वीद्ध आकार का गड्ढा खोदकर नमूना लेना चाहिए। खेत के पांचों जगहों से नमूना एकत्रित करने के बाद सभी को मिलाकर समग्र ;कंपोजिटद्ध नमूना बना लेते हैं। अब इस नमूने से आधा किलो मिट्टी लेकर कपड़े की थैली में भरकर उसी में एक पर्ची पर किसान का नामए पता एवं खसरा संख्या सहित आगे बोई जाने वाली फसल के बारे में जानकारी लिख देते हैं।तत्पश्चात मिट्टी के नमूने को मृदा परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजकर मिट्टी का परीक्षण करा लेते हैं। मृदा परीक्षण उपरांत किसान भाइयों को उर्वरक संस्तुति पत्र; मृदा स्वास्थ्य कार्डद्ध प्राप्त हो जाता है। जिसके आधार पर किसान भाई अपनी फसलों में उर्वरक प्रयोग करते हैं । मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि मृदा की जांच का मुख्य उद्देश मिट्टी की उर्वरता नापना तथा यह पता करना कि मिट्टी में कौन से पोषक तत्वों की कमी है। मृदा वैज्ञानिक ने बताया कि मृदा परीक्षण कराने से मृदा में उपस्थित पोषक तत्वों का सही से निर्धारण हो जाता है। जिससे संतुलित उर्वरक प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन मिलता है।डॉक्टर खान ने बताया कि प्रायः मिट्टी के भौतिक और रासायनिक गुणों के आधार पर ही फसलों का चयन करना अधिक श्रेयकर रहता है क्योंकि सभी मिट्टी सभी फसल उगाने के लिए उपयुक्त नहीं होती हैं मिट्टी की जांच से स्पष्ट निर्देश मिल जाता है कि विशेष खेत में कौन सी फसल उगाई जानी चाहिए। सभी फसलों के उचित बढ़वार उत्पादन हेतु पीएच मान 6.50 से 7.50 सबसे उपयुक्त होता है।